Lundi 05 décembre 2011

HIN3A13a

(Expression orale)

Cours-9

Menaka Gandhi, député indien, évoque quelques enjeux pour un parti vert en Inde. Quels sont les enjeux ici ?

मेरे पास भी एक हरित पार्टी हो तो - मेनका गांधी

मैंने संसद parlement हेतु चुने जाने के लिए अपना चुनाव प्रचार campagne électorale प्रारंभ début कर दिया है। मेरी इच्छा है कि मेरे पास एक हरित पार्टी और पैसा भी हो जो वास्तविक réel मुद्दों enjeu के लिए प्रचार करती। पानी, वैकल्पिक alternatif ऊर्जा énergie, नदियों को बचाने का अधिकार। यानी एक ऐसी अर्थव्यवस्था économie बनाने के लिए काम करती जो लोगों पर केंद्रित centré हो न कि उद्योगों industrie पर, और सबसे अहम principal ये कि उसमें सभी जीवों être vivant के लिए प्राकृतिक पर्यावासों का निर्माण हो जिसे निरंतर constant बनाए रखा जा सके।

एक सर्वेक्षण sondage में पाया गया है कि केवल 7 प्रतिशत एनजीओ NGO ही सक्रिय actif रूप से चलते हैं। यह इसलिए नहीं है कि एनजीओ प्रयास essai नहीं करते हैं बल्कि इसलिए क्योंकि उनके पास कानून loi की शक्ति नहीं होती है।

पशु कल्याण को हमारे राजनैतिक एजेंडा agenda का एक भाग बनाए जाने की आवश्यकता nécessité है । पर्यावरणीय संरक्षण protection de l'environnement पहले से ही एक बड़ा राजनैतिक मुद्दा बन चुका है। महासागर में तेल की ड्रिलिंग का विरोध opposition करने से ओबामा ने महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समर्थन soutien को जीत लिया था। अपनी फिल्म "एन इन्कन्वीनिएंट ट्रूथ" से अल गोर का प्रभाव उनके उपराष्ट्रपति होने से भी अधिक हो गया था। यूरोपियाई देशों में ग्रीन पार्टियां हैं। हॉलैंड में एक पशु पार्टी है।...अपने पहले ही चुनाव में इस पार्टी ने 150 में से 2 संसदीय सीटें जीती हैं (जो कि भारत में 12 सीटों के समान हैं, जो आज संसद में अधिकांश majoritairement पार्टियों की सीटों से अधिक है) । इस पार्टी की प्राथमिकता सभी पशुओं की पीड़ाओं mal को समाप्त करना finir है। ...भारत में अभी तक पशुओं के अधिकारों के लिए कोई पार्टी नहीं है किंतु इसके लिए पर्याप्त suffisant कारण हैं कि पशु कल्याण प्रत्येक चुनाव घोषणा-पत्र manifeste में क्यों होना चाहिए।

पशु हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ colonne vertébrale हैं। वे एक वर्ष में 50 मिलियन टन से अधिक दूध देते हैं और 60 मिलियन हैक्टेयर की फसल récolte की खेती agriculture करने में सहायता करते हैं। वे 18 हजार मिलियन टन सामान ढोते porter हैं और 52 हजार मिलियन वाट विद्युत électricité मुहैया करवाते faire obtenir हैं जो कि हमारे सभी विद्युत-गृहों को मिलाकर प्राप्त होने वाली विद्युत से भी अधिक है। ... भारत की 70 प्रतिशत पशुओं पर निर्भरता है फिर भी हम उनके लिए कोई प्रावधान provision नहीं करते।

जब पशु अपना जीवन खोते है तो डेयरी तथा दूध वाले, तांगे वाले, धोबी, ट्रांसपोर्टर, निर्माण आपूर्तिकर्ता fournisseur और छोटे किसान भी अपनी आजीविका gagne-pain खो देते हैं। ...सभी सरकारें सभी के लिए सस्ते तथा पर्याप्त भोजन का वादा promesse करती हैं। ...भारत की कृषि योग्य भूमि का 31 प्रतिशत मांस तथा डेयरी पशुओं के लिए चारा उगाने हेतु दिया जा चुका है। मांस के उत्पादन के साथ अन्य समस्याएं भी हैं। एक मशीनीकृत वध-गृह abattoir 1 दिन में 16 मिलियन लीटर पानी का उपयोग करता है जो कि 90 लाख लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता था। ... एक ऐसा देश जो अपनी जनसंख्या की पेयजल eau potable की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकता है उसे जल सोखने वाले वधगृहों को स्थापित installer नहीं करना चाहिए...।

मांस एक गंभीर स्वास्थ्य मुद्दा भी है। सभी कैंसरों का 40 प्रतिशत, मोटापा, मधुमेह, आर्थराइटिस तथा हृदय रोग जैसे रोग इसी से जुड़े हुए हैं। ...मांस का उत्पादन भी गंभीर पर्यावरणीय खतरा है। यह समूचे परिवहन transport क्षेत्र को मिलाकर होने वाले ग्रीन हाउस उत्सर्जन émission से भी अधिक के लिए उत्तरदायी responsable है। ...ब्रिटिश पब्लिक हैल्थ सिस्टम ने कार्बन उत्सर्जनों को कम करने के लिए मांस-रहित अस्पतालों का प्रस्ताव किया है। हमारे देश की शाकाहारी परम्पराओं को सुदृढ़ renforcer करने तथा वास्तविक गांधीगिरी को प्रोत्साहित करने के लिए हमें भी ऐसी राजनैतिक पार्टियों की आवश्यकता है।

आज की तिथि तक सरकार ने असफल गंगा एक्शन सफाई योजना में 6 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं। जनता के और अधिक पैसे को व्यर्थ करने के बजाए हमें नदी में कचरे déchet को डालने वाली चमड़ा cuir फैक्ट्रियों को बंद करने के एक चुनावी वादे की आवश्यकता है। ...हमें रसायनिक chimique कीटनाशकों pesticide तथा बेतुके absurde प्रयोग दोनों के विकल्पों की आवश्यकता है, क्योंकि दोनों ने परिस्थितिकीय écologique तंत्र को संकट में डालकर हमारे जीवन को खतरे में ला दिया है।

बाघ की रक्षा करना कोई भावनात्मक मुद्दा नहीं है। बाघ tigre एक इंडेक्स प्रजाति है जिसकी विद्यमानता présence वन के स्वस्थ होने का प्रमाण है। एक-दूसरे के बिना हर कोई समाप्त हो जाएगा। जब हम बाघ को खोते हैं तो हम जंगल, हमारी वर्षा, कृषि सभी को खोते हैं। इसके विपरीत, जब हम बाघ की रक्षा करते है तो उसके पर्यावास से मुफ्त gratuit पानी, ऑक्सीजन तथा जलवायु नियंत्रण contrôle मुहैया करवाए जाते हैं। बाघों को समितियों की आवश्यकता नहीं है। उन्हें सुरक्षित पर्यावास की आवश्यकता है।

पशुओं के साथ क्रूरता का मानव के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था तथा पर्यावरण पर एक महत्वपूर्ण important प्रभाव होता है। ...मेरा यह मत है कि पशुओं की रक्षा करके हम पृथ्वी तथा स्वयं की रक्षा करते हैं। जब हम किसी अन्य जीव को अपना अधिकार समझ कर खाना, पीटना, विकृत करना तथा उसकी हत्या करना छोड़ देते हैं तो हम चिरकालिक longue durée शांति तथा समृद्धि prospérité के लिए स्थितियां उत्पन्न करते हैं।